hosted at www.educationobserver.com/forum

Series OSR

कोड नं. **29/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जिन लेखों और विश्लेषणों को हम पढ़ते हैं वे राजनीतिक तक़ाज़ों से लाभ-हानि का हिसाब लगाते हुए लिखे जाते हैं, इसलिए उनमें पक्षधरता भी होती है और पक्षधरता के अनुरूप अपर पक्ष के लिए व्यर्थता भी । इसे भजनमंडली के बीच का भजन कह सकते हैं । सांप्रदायिकता, अर्थात् अपने संप्रदाय की हित-चिंता अच्छी बात है । यह अपनी व्यक्तिगत क्षुद्रता से आगे बढ़ने वाला पहला क़दम है, इसके बिना मानव-मात्र की हित-चिंता, जो अभी तक मात्र एक ख़याल ही बना रह गया है, की ओर क़दम नहीं बढ़ाए जा सकते । पहले क़दम की कसौटी यह है कि वह दूसरे क़दम के लिए रुकावट तो नहीं बन जाता । बृहत्तर सरोकारों से लघुतर सरोकारों का अनमेल पड़ना उन्हें संकीर्ण ही नहीं बनाता, अन्य हितों से टकराव की स्थिति में

hosted at www.educationobserver.com/forum

लाकर एक ऐसी पंगुता पैदा करता है जिसमें हमारी अपनी बाढ़ भी रुकती है और दूसरों की बाढ़ को रोकने में भी हम एक भूमिका पेश करने लगते हैं । धर्मों, संप्रदायों और यहाँ तक कि विचारधाराओं तक की सीमाएँ यहीं से पैदा होती हैं, जिनका आरंभ तो मानवतावादी तक़ाज़ों से होता है और अमल में वे मानवद्रोही ही नहीं हो जाते बल्कि उस सीमित समाज का भी अहित करते हैं जिसके हित की चिंता को सर्वोपरि मानकर ये चलते हैं ।

सामुदायिक हितों का टकराव वर्चस्वी हितों से होना अवश्यंभावी है । अवसर की कमी और अस्तित्व की रक्षा के चलते दूसरे वंचित या अभावग्रस्त समुदायों से भी टकराव और प्रतिस्पर्धा की स्थिति पैदा होती है । बाहरी एकरूपता के नीचे सभी समाजों में भीतरी दायरे में कई तरह के असंतोष बने रहते हैं और ये पहले से रहे हैं । सांप्रदायिकता ऐसी कि संप्रदायों के भीतर भी संप्रदाय । भारतीय समाज का आर्थिक ताना-बाना ऐसा रहा है कि इसने सामाजिक अलगाव को विस्फोटक नहीं होने दिया और इसके चलते ही अभिजातीय सांप्रदायिक संगठनों को पहले कभी जन-समर्थन नहीं मिला ।

(क) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) जिन लेखों को हम पढ़ते हैं वे कैसे लिखे जाते हैं ? इसका क्या परिणाम होता है ? *2*

(ग) किस अर्थ में सांप्रदायिकता को अच्छी बात कहा गया है ? *2*

(घ) हमारे सरोकारों की रुकावट और परस्पर टकराव के क्या परिणाम होते हैं ? *2*

(ङ) 'वंचित या अभावग्रस्त' समुदाय से क्या तात्पर्य है ? इनसे टकराव की स्थिति कब पैदा होती है ? *2*

(च) भारत में अभिजातीय सांप्रदायिक संगठनों को जन-समर्थन क्यों नहीं मिला ? *2*

(छ) 'संप्रदायों के भीतर भी संप्रदाय' – इसे स्वयं लेखक ने कैसे समझाया है ? *2*

(ज) 'सांप्रदायिकता' शब्द से एक उपसर्ग और एक प्रत्यय अलग कीजिए । *1*

(झ) (i) 'तक़ाज़ा, दायरा' तथा (ii) 'असंतोष, समर्थन' शब्द उत्पत्ति (स्रोत) की दृष्टि से किन भेदों के अंतर्गत आते हैं ? *1*

hosted at www.educationobserver.com/forum

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×5=5*

गुलाब का फूल है हमारा पढ़ा-लिखा
मैंने उसे काफ़ी उलट-पुलट कर देखा है
मुझे तो वह ऐसा ही दिखा
सबसे बड़ा सबूत उसके गुलाब होने का यह है
कि वह गाँव में जाकर बसने के लिए तैयार नहीं है
गाँव में उसकी प्रदर्शनी कौन कराएगा
वहाँ वह अपनी शोभा की प्रशंसा किससे कराएगा
वह फूलने के बाद किसी फ़सल में थोड़े ही बदल जाता है
मूरख किसान को फूलने के बाद
फ़सल देने वाला ही तो भाता है,
गाँव में इसलिए ठीक हैं अलसी और सरसों के फूल ।
बीच-बीच में यह प्रस्ताव कि गुलाब गाँव में चिकित्सा करे या पढ़ाए
पेश करने में कोई हर्ज़ नहीं है
मगर साफ़ समझ लेना चाहिए कि गुलाब का यह फ़र्ज़ नहीं है कि
गाँव जाकर खिले, अलसी और सरसों वगैरा से मिले
ढँक जाए वहाँ की धूल से
और वक़्तन बवक़्तन अपनी प्रदर्शनी न कराए
आमीन, गुलाब पर ऐसा वक़्त कभी न आए ।

(क) गुलाब तथा अलसी-सरसों के फूल किनके प्रतीक हैं ?

(ख) संभ्रांत वर्ग शहरी युवकों को गाँव क्यों नहीं जाने देता ?

(ग) वे लोग गाँव में किसका बसना उचित मानते हैं और क्यों ?

(घ) काव्यांश में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए :

आमीन, गुलाब पर ऐसा वक़्त कभी न आए ।

अथवा

hosted at www.educationobserver.com/forum

जाड़े की एक सुबह अलसाई –
पा गई है कुहरे की मोटी रजाई ।
घाटी के ऊपर झुक
फैला-सा अंबर ज्यों
सजल-सरल शब्दों से
बेमन दुलार रहा
दे रहा हो थपकी-सी
आ रही हो झपकी-सी
घाटी को ।

या फिर ख़ुद घाटी ने मानव का दर्द जान
मानव को अपने ही अंतर का भाग मान
लोरी के कपसीले बादल बिखराए हों
कुहरे के झीने-से
कबूतर के डैने-से पुल ये बनाए हों
जिससे कि मानव भी पा सके सिद्धि-स्वर्ग ।

(क) जाड़े की सुबह को 'अलसाई' क्यों कहा गया है ?

(ख) घाटी को झपकी क्यों आ रही है ?

(ग) घाटी ने पुल कैसे और किसलिए बनाए हैं ?

(घ) मानव के प्रति घाटी की क्या दृष्टि है ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

लोरी के कपसीले बादल बिखराए हों
कुहरे के झीने-से
कबूतर के डैने-से पुल ये बनाए हों

hosted at www.educationobserver.com/forum

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) उत्तराखण्ड की त्रासदी और उसका सबक़

(ख) लोकतंत्र में मताधिकार का महत्त्व

(ग) आतंकवाद की समस्या

(घ) प्रगति की जड़ों को जकड़े हैं अंधविश्वास

4. प्राचीन और आदर्श संस्कृति का दावा करने वाले भारतीय समाज में कन्या-भ्रूण की हत्या की समस्या पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान के लिए एक उपाय भी सुझाइए । *5*

अथवा

'सबका सहारा' नामक संस्था को आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जाकर राहतकार्य में हाथ बँटाने वाले कुछ स्वयंसेवकों की आवश्यकता है । अपनी रुचि, स्वास्थ्य, कार्यकुशलता और शैक्षिक योग्यताओं का विवरण देते हुए संस्था के जनसंपर्क-अधिकारी को पत्र लिखिए ।

5. ईद-मिलन के दृश्यों का उल्लेख करते हुए 'ईद का महत्त्व' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

अथवा

'पुरुषप्रधान समाज में नारी-सुरक्षा की समस्या' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

6. निम्नलिखित का संक्षेप में उत्तर दीजिए : *5*

(क) संपादकीय किसे कहा जाता है ?

(ख) पीत पत्रकारिता का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) स्टिंग ऑपरेशन क्या है ? यह क्यों किया जाता है ?

(घ) इलैक्ट्रोनिक माध्यम की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(ङ) आपके विचार से संचार-माध्यमों में कैसी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए ?

hosted at www.educationobserver.com/forum

खण्ड ग

7. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा ।

सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ।।

यह दुख दगध न जानै कंतू ।

जोबन जरम करै भसमंतू ।।

पिय सौं कहेहु संदेसड़ा ऐ भँवरा ऐ काग ।

सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग ।।

अथवा

आदमी दशाश्वमेध पर जाता है

और पाता है घाट का आखिरी पत्थर

कुछ और मुलायम हो गया है

सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में

एक अजीब-सी नमी है

और एक अजीब-सी चमक से भर उठा है

भिखारियों के कटोरों का निचाट ख़ालीपन ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट कर बताइए कि उसे स्नेहभरा और मदमाता क्यों कहा गया है ।

(ख) 'गीत गाने दो मुझे' कविता में चित्रित सामाजिक स्थितियों का वर्णन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि ऐसे में कविता करने का क्या उद्देश्य है ।

(ग) 'घनानंद' के 'हियौ हितपत्र' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि पत्र के साथ प्रेमपात्र ने क्या किया और क्यों ।

hosted at www.educationobserver.com/forum

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *6*

(क) कातर दिठि करि, चौदिस हेरि-हेरि नयन गरए जल-धारा ।

तोहर बिरह दिन छन-छन तनुछिन चौदसि-चाँद-समान ।।

(ख) इस पथ पर, मेरे कार्य सकल

हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !

कन्ये, गत कर्मों का अर्पण

कर, करता मैं तेरा तर्पण ।

(ग) हेम कुंभ ले उषा सवेरे – भरती ढुलकाती सुख मेरे ।

मदिर ऊँघते रहते जब – जगकर रजनी-भर तारा ।।

10. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

लड़की ने आज गुलाबी परिधान नहीं पहना था पर सफ़ेद साड़ी में लाज से गुलाबी होते हुए उसने मंसा देवी पर एक और चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेते हुए सोचा, "मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ।"

अथवा

जिन्हें इस देश की धरती से प्यार है, इस धरती पर बसने वालों से स्नेह है, जो साहित्य की युगांतरकारी भूमिका समझते हैं, वे आगे बढ़ रहे हैं । उनका साहित्य जनता का रोष और असंतोष प्रकट करता है, उन्हें आत्मविश्वास और दृढ़ता देता है, उनकी रुचि जनता की रुचि से मेल खाती है और कवि उसे बताता है कि इस विश्व को किस दिशा में परिवर्तित करना है ।

hosted at www.educationobserver.com/forum

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) कुटज का जीवन किन मानवीय मूल्यों की सीख देता है और कैसे ? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(ख) संवदिया की क्या विशेषताएँ मानी जाती हैं ? फिर भी हरगोविन बड़ी बहुरिया का संवाद क्यों नहीं सुना पाया ?

(ग) 'कच्चा चिट्ठा' के आधार पर इलाहाबाद के संग्रहालय को व्रजमोहन व्यास के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

12. भीष्म साहनी **अथवा** असगर वजाहत के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *6*

अथवा

तुलसीदास **अथवा** विष्णु खरे के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड घ

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) सूरदास अपनी हानि को जगधर से क्यों छिपाना चाहता था ?

(ख) 'आरोहण' कहानी में महीप अपने बारे में पूछे गए प्रश्नों को टाल क्यों देता था ?

(ग) "पग-पग नीर वाला मालवा सूखा हो गया" – कैसे ? 'अपना मालवा .....' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

14. "अंधापन ही क्या थोड़ी विपत थी कि नित ही एक-न-एक चपत पड़ती रहती है ।"

(i) दृष्टि-विकलांगता की कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए । *2*

(ii) क्या-क्या उपाय किए जाएँ कि दृष्टि-विकलांगता 'विपत्ति' न प्रतीत हो ? *3*

15. "भूपसिंह ऐसा पर्वत-पुत्र है जो पग-पग पर आपदाओं से टक्कर लेता है, पर हार नहीं मानता ।" उक्त कथन के आलोक में भूपसिंह के चरित्र की विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए । *6*

अथवा

"गाँव में ज्ञात-अज्ञात वनस्पतियों, जल के विविध रूपों और मिट्टी के अनेक वर्णों – आकारों का ऐसा समस्त वातावरण था जो सजीव था ।" 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।